राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 25.00 संख्या 271
संग्राम
नागराज और सुपर कमांडो ध्रुव
अंग्रेज सरकार द्वारा
बागी राज पर
जिन्दा या मुर्दा
25000/-
इनाम
एक मैगनेट स्टीकर
मुफ्त

जांबाज जहां भी रहेंगे, अन्याय के खिलाफ लड़ते ही रहेंगे। चाहे वह लड़ाई वर्तमान के आतंकवाद के खिलाफ हो या फिर 1940 के दशक में अंग्रेजी शासन के खिलाफ स्वतंत्रता का...

संग्राम

संजय गुप्ता की पेशकश

कथा एवं चित्र:	इंकिंग:	सुलेख एवं रंग संयोजन:	सम्पादक:
अनुपम सिन्हा.	विनोद कुमार.	सुनील पाण्डेय.	मनीष गुप्ता.

राजनगर- एक ऐसा महानगर जो इत्मिनान से चैन की नींद सोता है-
क्योंकि उसका रखवाला जागता है-
जब आकाश में तारे चमकते हैं-
-तो राजनगर उस खास मोटरसाइकिल की रोशनी से चमकता है-
जिस पर बैठा होता है अपराधियों का काल-
-सुपर कमांडो ध्रुव-
खिल खिल ही ही ही!
बच्चे के हंसने की आवाज! वाह! वैसे तो रात को बच्चों के रोने की आवाज सुनाई पड़ती है!
मेरा बच्चा! मेरा बच्चा कहां है?
क्या हुआ आपके बच्चे को?
मेरा बच्चा एक साल का भी नहीं है! उसको एक आदमी उठाले गया है! नंगे बदन था! पगड़ी बांधे हुए, पर... तुम कौन हो?
पुलिस वाले तो नहीं लगते!
पुलिस वाले भी आ जाएंगे! उस 'बच्चा चोर' की गिरफ्तार करने!
मैं लाता हूं आपके बच्चे को!
मैं भी आता हूं तुम्हारे पीछे!

कुछ ही पलों में-
रुक जाओ! और इस बच्चे को मेरे हवाले कर दो!
पर... पर क्यों? ये तो मेरा बच्चा है! देखो न, मेरी गोदी में कैसे हंस रहा है!
बच्चे तो किसी से भी हिल-मिल जाते हैं!
तुम बच्चे के पिता से ज्यादा बच्चे के नौकर लग रहे हो!
बच्चे का पिता होने का दावा वह आदमी कर रहा है!
वह... वह बच्चे का दुश्मन है! इसको मार डालना चाहता है!
ओह! यानी तुम उस आदमी को जानते हो! अब तो इस झगड़े का फैसला पुलिस स्टेशन में ही होगा! चलो तुम दोनों मेरे साथ पुलिस स्टेशन!
ये बच्चा कहीं नहीं जाएगा!
इसकी जान बचाना मेरा फर्ज है!
ओह! मामला गंभीर है! फैसला यहीं पर करना पड़ेगा!
सबसे पहले तो बच्चे को अपने कब्जे में लेना पड़ेगा!

तू समझ नहीं रहा है कि तू किससे उलझ रहा है, लड़के! मैं और समय व्यर्थ नहीं कर सकता! ... तुझे अपना असली रूप दिखाना ही पड़ेगा! जिसको देखते ही या तो तू बेहोश हो जाएगा...
... या फिर यहां से दूर भाग जाएगा!
ओह! तो तुम एक इच्छाधारी नाग हो! इच्छाधारी नाग तो मेरे दोस्त हैं! नागराज को तो तुम जानते ही होगे! वह मेरा पुराना मित्र है!
नागराज को तो दुनिया का हर इन्सान और नाग जानता है! और उससे अपनी दोस्ती का दावा करने वाले भी करोड़ों हैं! मैं तुम्हारे झांसे में नहीं आऊंगा!

या तो तू मेरा रास्ता छोड़ दे, या दुनिया छोड़ने को तैयार हो जा!
सांग्राम
मेरा बच्चा!
तुम्हारी एक बात तो तुरन्त झूठी साबित हो गई कि तुम इस बच्चे के पिता हो! एक नाग इस सुन्दर बच्चे का पिता कैसे हो सकता है?
इसलिए बच्चा मुझे सौंप दो! मैं तुम्हारे साथ नाइन्साफी नहीं करूंगा!
जो सही स्थिति को समझ ही न पाए, उससे इंसाफ की उम्मीद कौन करे?
और तुम इंसाफ करने वाले होते कौन... आऽऽऽह!
वार सोच-समझकर करना होगा! ताकि बच्चे को नुकसान न पहुंचे! इसलिए 'नर्व गैस' का प्रयोग मैं नहीं कर सकता...

इसको स्टार लाइन से बांधने की कोशिश करता... अरे!
इसने 'स्टार लाइन' को ही काट डाला!
आSSS ह!
इसके हाथों से हथियार गिराने जरूरी हैं! ताकि मैं इस तक पहुंचकर बच्चे को आजाद कर सकूं, और फिर इस पर पूरे जोर-शोर से हमला कर दूं!
ओह! इसके हथियार ने जमीन को काफी गहराई तक खोद डाला है! और बिजली के अंडर ग्राउंड केबल नजर आने लगे हैं!...
... अब मुझे इन केबलों के ऊपर चढ़े प्लास्टिक के खोल को काटना है!...
... ताकि इसके अगले वार को मैं इसकी हार बना सकूं!
आSSSSSS
तेज करेंट लगते ही इच्छाधारी सर्प के हाथों से छूटकर हथियार नीचे जा गिरे-
ध्रुव की किक ने, धातु के हथियार को नंगे तार की तरफ धकेल दिया-
और उसी पल ध्रुव ने बच्चे को खींच लिया-
ओ! खतरनाक आइडिया था! भगवान का शुक्र है कि बच्चा शॉक खाने से बच गया!

लाओ! मेरा बच्चा मुझे दो!
यह फैसला करना अभी बाकी है कि बच्चा किसका है! फिलहाल तो तुम इसको सिर्फ दूर से देखो! ताकि ये अपने-आपको चोट न लगा ले!
तब तक मैं... आऽऽऽ ह!
इतनी हाई वोल्टेज की करंट भी इसका कुछ खास नहीं बिगाड़ पाई...
धाऽऽड़
इस वक्त नर्व गैस का प्रयोग किया तो मैं खुद भी बेहोश हो सकता हूं!
यानी कुछ और सोचना पड़ेगा!
ये इच्छाधारी सर्प है! और सर्प की एक खास कमजोरी होती है!
स्टार लाइन का एक सिरा, मोटरसाइकल से जा लिपटा-
और दूसरा सिरा बिजली के पोल पर से होता हुआ-
नीचे आ गिरा-
और इच्छाधारी सर्प के कुछ समझ पाने से पहले-
अब स्टार ट्रांसमीटर में फिट, रिमोट के सिग्नल पाकर मोटर साइकल अपने-आप आगे बढ़ चली-
स्टार लाइन उसकी दुम में फंस चुकी थी-

और 'स्टार-लाइन' खिंचते ही, इच्छाधारी सर्प का शरीर भी हवा में खिंचकर उल्टा लटक गया-
ये है तुम्हारी कमजोरी मिस्टर इच्छाधारी सर्प!
सांप की रीढ़ की हड्डी की बनावट इस प्रकार की होती है कि अगर उसको दुम से पकड़कर उठा लिया जाए तो वह अपना धड़ उठा नहीं पाता। तुम्हारे साथ भी यही होगा!
और अब मैं यह फैसला करूंगा कि बच्चा किसका है!
और कहां से आया है!
इसी दौरान-
आजा! आजा, मेरे बच्चे!

ओह! मैंने कहा था न कि बच्चे को उठाने की कोशिश मत करना! अब तो मुझे तुम दोनों ही जाली लग रहे हो!
जाली तो अब मैं तेरे बदन को बनाऊंगा!
देख मुझे! और फिर मैं तुझे तीन सेकंड का समय दूंगा! भागना है तो भाग ले!
वर्ना तीन सेकंड पूरे होते ही तेरी जिन्दगी भी पूरी हो जाएगी!
ये क्या चक्कर है? हर कोई अपना रूप बदल-कर घूम रहा है!
कहीं मेरा चेहरा भी तो बदल नहीं रहा है!
या शायद अभी बच्चा भी बड़ा बन जाएगा!
तीन सेकंड हो गए!
अब मैं तुझे... आऽऽऽह आऽऽऽ ह!
तू कुछ नहीं करेगा!...

✪ शिशु सम्राट के विषय में जानने के लिए पढ़ें मिनी सीरीज मृत्युदंड, नागदीप, त्रिफना एवं महायुद्ध (नागराज सीरीज)

आऽऽऽह!
फिर से वही मर्मांतक पीड़ा हो रही है! इसका फिर से इलाज करना होगा! औषधि लेनी होगी!
इसको क्या हो रहा है विसर्पी! इसका शरीर तो रंगीन धब्बों में बदल रहा है!
ऐसा ही इसको नागद्वीप में भी हुआ था! हमको तो लगा कि ये मर जाएगा! पर ये मरा नहीं...
...बल्कि तुम सबको मौत के करीब पहुंचा दिया! अभी भी ऐसा ही होगा लड़की!
स्काडा इस ग्रह के हर इच्छाधारी सर्प को खत्म कर देगा!
ये अपनी हथेली से सींग में कुछ लेकर, सींग को इंजेक्शन की तरह अपने शरीर में धंसा रहा है!
इसका शरीर फिर से सामान्य हो रहा है!
अब मैं अपनी शक्तियों का प्रयोग भी सामान्य रूप से कर सकता हूं!
इसके शरीर पर अजीब किस्म की मशीनरी अपने-आप पैदा हो रही है!...
...पर कैसे?
कैसे नहीं, 'क्यों' पूछ लड़के! और जवाब है तुम दोनों को खत्म करने के लिए!

ओह! ये रोशनी की किरणें तो ठोस हैं! सम्राट को बचाओ, ध्रुव!
प्रकाश ठोस कैसे हो सकता है?
जैसे इसके शरीर पर मशीनें उग सकती हैं!
कुछ समझ में नहीं आ रहा है!
विसर्पी बहादुरी से लड़ रही है!
लेकिन इस खतरनाक हथियार से बचना असंभव है! ये ठोस किरणें तो वातावरण के हर इंच पर फैली हुई हैं!
ओऽऽऽ विसर्पी से एक ठोस किरण टकरा गई है!
वह घायल हो गई है! मुझे उसे बचाना होगा! लेकिन मेरे उस तक पहुंचने से पहले कोई और किरण उसकी जान ले लेगी!

लेकिन दूसरा प्रकाश वार लगने से पहले ही-
न जाने कैसे-
विसर्पी के सामने की जमीन फट पड़ी-
और ऊपर उठती मिट्टी और सड़क के टुकड़ों ने प्रकाश किरणों को रोक लिया-
इस व्यवधान ने-
विसर्पी को सुरक्षित स्थान तक ले जाने का मौका ध्रुव को दे दिया-
ओह! ये ज्यादा देर तक विसर्पी और शिशु सम्राट को बचा नहीं पाएंगे! स्काडा को संभालना ही पड़ेगा! मेरे ब्रेसलेट और विसर्पी के राजदंड की चमकती सतह हम तक पहुंचती प्रकाश किरणों को परावर्तित तो कर पा रही थी, लेकिन उसके स्त्रोत को नष्ट नहीं कर पा रही थी!
मुझे कोई ऐसी चमकती सतह चाहिए, जो इन ठोस किरणों को सही निशाने पर परावर्तित कर सके! जैसे... जैसे... बस!...
...जैसे मोटरसाइकल का यह रियरव्यू मिरर!

दर्पण से ठोस प्रकाश किरणें सही कोण पर परावर्तित हुईं, और-
आSSSह!
मेरे वार का प्रहार मुझ पर ही कर दिया! ओफ मुझे आभास हो रहा है कि तुमसे टकराना खतरनाक सिद्ध हो सकता है! इसलिए मैं समय खराब नहीं करूंगा!
अपना काम पूरा करूंगा! ये नागद्वीप का आखिरी इच्छाधारी नाग है! इसको समाप्त करने के बाद मेरा काम भी समाप्त हो जाएगा!

मेनहोल का ढक्कन बच्चे का सर फोड़ डालने के लिए आगे लपका-
बांऽअं
लेकिन स्टार लाईन के झटके ने ढक्कन की दिशा बदल दी-
ओह! तू बहुत ज्यादा टांग अड़ा रहा है! मैं तुझे मारना नहीं चाहता, क्योंकि मुझे तुमसे कोई तकलीफ नहीं है!
तकलीफ है इस संपोले से!
हा हा हा! इस अंधेरी और बदबूदार कब्र से यह संपोला जिंदा बाहर नहीं आ पाएगा!
अब मैं उसका खात्मा करूंगा, जो इन सारे इच्छाधारी सर्पों को बचाने की क्षमता रखता है! जिस पर सभी सर्पों को बहुत भरोसा है!
शिशु सम्राट का शरीर मेनहोल में गिरता चला गया-
ओफ! मैं सम्राट की तलाश छोड़कर इसके पीछे नहीं जा सकता!
नागराज को!

ध्रुव, सम्राट की तलाश में, सीवर की भूल-भुलैया में घूम रहा था-
बदबू से नाक फटी जा रही है! गन्दा पानी तो कई अलग-अलग दिशाओं में बहकर जा रहा है! अब ये कैसे पता चलेगा कि वह बच्चा बहकर किस तरफ गया है?
या अगर बहने से बच गया है तो क्या इन मांसाहारी चूहों से बचा है... ओऽऽऽ
उधर! उस पर सचमुच चूहों ने हमला बोल दिया है...
... छोड़ो! छोड़ो उसको दुष्टों!
लेकिन-
अरे! ये तो एक गुड़िया है!... अब मैं किधर जाऊं? कहां ढूंढूं उस बच्चे को?
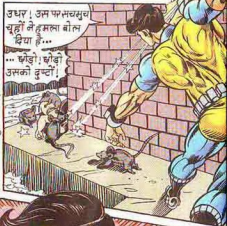
...ये क्या हो रहा है! मेरी आंखें धोखा खा रही हैं...
...या... या गुड़िया के हाथ अपने-आप हिल रहे हैं?
ये उस दिशा में इशारा कर रही है!
अब इसका हाथ इस दिशा में इशारा कर रहा है!
मुझे तो अपनी आंखों पर यकीन ही नहीं हो रहा है!
ये गुड़िया आखिर मुझे ले कहां जा रही... अरे!
सम्राट शिशु सम्राट!
किसी ने सच ही कहा है कि जाको राखे साईयां, मार सके न कोय! बच्चा ऊपर से सीधा, टोकरी में आकर गिरा, और डूबने से बच गया!
और तुमको बचाया है इस गुड़िया ने! अरे!
अब इस गुड़िया में कोई हरकत नहीं हो रही है! ये बात मैं किसी को नहीं बताऊंगा!
वर्ना कम से कम श्वेता तो मेरे भेजे का एक्सरे करवा ही देगी!

और फिर अस्पताल में-
ये हैं कौन ध्रुव? कहीं की राजकुमारी हैं क्या?
ऐसा ही समझ लीजिए डॉक्टर! फिलहाल तो ये बताइए कि इनको हुआ क्या है?
कुछ समझ में नहीं आ रहा है, ध्रुव! शरीर की सारी हरकतें सामान्य हैं, लेकिन फिर भी ये होश में नहीं आ रही हैं। ये अवस्था न तो कोमा के जैसी है, और न ही बेहोशी जैसी। बस ऐसा लगता है जैसे इनके चेतन दिमाग ने काम करना बन्द कर दिया है। अब ये पूरी तरह से अपने अवचेतन मस्तिष्क पर निर्भर हैं।
इनका इलाज किस तरह से होगा?
इलाज नहीं होगा, ध्रुव!
क्योंकि हमको तो यही पता नहीं चल रहा है कि इलाज किस चीज का करें!
मैं समझ रहा हूं! लेकिन फिर भी मैं आपसे रिक्वेस्ट करूंगा कि इनकी हालत में सुधार होने तक इनको आप अपनी निगरानी में ही रखें।
ऐसा ही होगा ध्रुव! हम इनका पूरा ख्याल रखेंगे! आखिर ये एक राजकुमारी हैं!
नागद्वीप के तो सारे वासी ऐसे ही बेहोश हैं। विसर्पी की बीमारी को अब सिर्फ नागराज ही समझकर दूर कर सकता है! मुझे नागराज के पास जाना होगा! और इसके लिए मुझे...
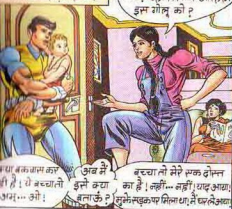
मम्मी की
में छोड़ना होगा!"
वाह, उस्ताद! बिना शादी के बच्चा! कहां से लेकर आ रहे हो इस गोलू को?
ताकि पुलिस इसके मां-बाप का पता लगा ले, फिर मैं इसको इसके घर छोड़ आऊं!
ओ रियली?
बकवास कर
! ये बच्चा तो
अम्... ओ!
अब मैं इसे क्या बताऊं?
बच्चा तो मेरे एक दोस्त का है! नहीं... नहीं! याद आया! मुझे सड़क पर मिला था! मैं घर ले आया!
ध्रुव!
ह.. हां, मम्मी!
तो झूठ
तक नहीं
आता!
क्या मतलब?
ओ, मम्मी, तुम एकदम गलत समझ रही हो!
तो फिर मुझे सही तरह से समझा दे न!
चल, समझा!
ये बता कि
कौन है, जिसका ये
है! तेरा उससे क्या रिश्ता है?
मैं तेरी मदद कर पाऊंगी!
ओफो! ये मैं कहां फंस गया! कल नहीं परसों मैं सारी बातें बता दूंगा!
हे भगवान, तब तक विसर्पी को होश में ला देना!

महानगर-
नागराज का घर-
यहां पर अपराध करने की गलती सिर्फ दो ही किस्म के लोग कर सकते हैं-
एक तो वे जिनकी प्रवृत्ति ही आपराधिक हो-
और दूसरे वे जो नागराज के बारे में जानते ही न हों-
तुम बचोगे नहीं! नागराज तुमको पकड़कर ही दम लेगा!
यही तो मैं देखना चाहता हूं! तू मेरा तीसरा शिकार है! पहले दो शिकारों को तो नागराज बचाने नहीं आ पाया!
ओSSS! जासूस सर्प ने एकदम सही सूचना दी थी! पहले दो अपराध इसने ऐसे इलाकों में किए होंगे, जहां पर जासूस सर्प गश्त पर नहीं होंगे!

नागराज?
मैं नागराज! फिलहाल आप लोग यहां से निकलिए! कल इस एरिया के पुलिस स्टेशन में आकर इसकी शिनाख्त कर लीजिएगा!
इसके हाथ में पिस्तौल है, जो आप लोगों के लिए घातक सिद्ध हो सकती है! जाइए!
अरे! ये तो सिर्फ कपड़े हैं! पर इसके अंदर कोई था तो जरूर! अरे सुनिए! जाने वाले भी गायब हो गए!
हैं क्या?
ये जीने-मरने का मामला है नागराज! मेरे जीने और तेरे मरने का। इसलिए मुझे तुमको बुलाने के लिए यह सारा भ्रमजाल तीसरी बार रचना पड़ा! अब मैं योजना को सफल बनाकर ही रहूंगा!
वर्ना तू जिएगा, और मैं मरूंगा!

नागराज न तो हमले का कारण समझ पा रहा था, और न ही हमलावर की शक्तियां-
पहले कपड़े एकदम खाल थे! फिर अन्दर से धातु के अजी यंत्र बढ़कर मुझ पर वार करने ल सबसे पहले कप को बीच से हटा-कर हमलावर की असली सूरत देखनी होगी!
नागराज के ध्वंसक सर्पों के वार से कपड़े जलकर-
राख में बदल गए-
और हमलावर की सूरत सामने आगई-
अरे! यहां पर तो सूरत है ही नहीं! सिर्फ यंत्रों का एक जाल है!
जिसको मैं अपनी एक ही किक से टुकड़े-टुकड़े कर सकता हूं!
खत्म हो गया शैतान! लेकिन ऐसा करने से इसका क्या मकसद हल हुआ!
ओ! ये धातु के टुकड़े तो पौधों की तरह बढ़ रहे हैं! लेकिन इनकी बढ़ने की गति बहुत तेज है! और अब हर टुकड़ा बढ़कर यंत्रों का जाल बन रहा है, और मुझ पर हमला कर रहा है!
आखिर इनके इतनी तेजी से बढ़ने का राज क्या है?

वाला तो फिलहाल नहीं आ रहा है! पहले इस शिकंजे से होगा, और फिर इस को पैदा करने वाले होगा!
इसके अदृश्य रूप को सामने लाना होगा!
आऽऽऽह! मुझ पर ऊर्जा कणों का निरन्तर वार हो रहा है!
ओह! ये अदृश्य भी हो सकता है!
धड़ाक
और इस 'बमबार्डमेंट' में मेरी अदृश्य आकृति भी नजर आ रही है! वैसे भी पल बीत चुके हैं! सामान्य रूप में आना पड़ेगा!
और इन शिकंजों को तोड़ने का कोई दूसरा रास्ता ढूंढ़ना होगा!
जैसे इनको एक दूसरे से टकराकर तोड़ने का!

शिकंजे चूर-चूर तो हो रहे हैं, लेकिन ये जितने ज्यादा टुकड़ों में बंट रहे हैं, उतने ही नए यंत्र पैदा होते जा रहे हैं! जैसे हर टुकड़ा धातु का एक बीज हो, जिसमें पूरा पेड़ उगाने की क्षमता हो, और वह भी फटाफट!

ऐसे तो मैं धातु के ढेर में ढकता चला जाऊंगा, और कोई न कोई शिकंजा मेरे लिए फांसी का फंदा बन जाएगा!

लेकिन करूं तो क्या करूं?

बीज! हां, बढ़ने के लिए अतिरिक्त पदार्थ की जरूरत पड़ती है! और यह अतिरिक्त धातु इन टुकड़ों को धरती के संपर्क में आने से मिल रही है! इन टुकड़ों को हवा में ही रोकना होगा! ताकि इनका संपर्क धरती से न हो सके!...

... और यह काम मेरी सर्प सेना करेगी!

नागराज, शिकंजों को चूर-चूर करता चला गया—

और सर्प सेना उन टुकड़ों को मुंह में पकड़-पकड़कर—

ऐसी जगहों पर पहुंचाने लगी, जहां पर टुकड़ों के संपर्क में और धातु आ ही न सके—

किसी तरह से इन बीजों को धातु के पेड़ बनने से रोक सकूं तो...

ओह! बड़ी मुश्किल से इन विचित्र टुकड़ों से पीछा छूटा है! लेकिन ये विचित्र धातु आई कहां से? कौन है इनके जरिए मुझ पर वार करने वाला?
मैं!
एकाडा! तेरा मरना जरूरी है, नागराज! क्योंकि सिर्फ तेरी मौत ही मेरी समस्या हल कर सकती है!
अगर मेरी मौत से तुम्हारा भला हो सकता है तो मैं खुशी से अपनी जान दे दूंगा! लेकिन पहले अपनी समस्या तो बताओ! तुम हो कौन, और कहां से आए हो?
तो फिर यह भी जान लो एकाडा कि नागराज खुशी से किसी की भलाई के लिए खुद जान तो दे सकता है!...
ये जानना तुम्हारे लिए कतई जरूरी नहीं है। जरूरी है तो सिर्फ तुम्हारा मरना! मेरे रास्ते से हटना।
...लेकिन कोई उससे जबरदस्ती उसकी जान छीन नहीं सकता!
आssssह!
जो प्राणी 'जीवधातु' बना सकता है, उसके लिए तुम्हारी जान लेना, पसीने की एक बूंद बहाने जैसा है!
तुम मेरे लिए एक वायरस से ज्यादा कुछ भी नहीं हो नागराज
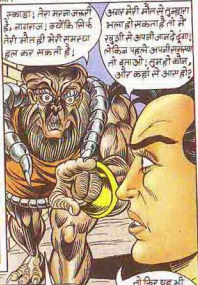
ओह! तुम्हारे शरीर पर तो अपने-आप घातक मशीनरी उग आती है! शायद ये वैसी ही धातु है, जिसके द्वारा तुमने अभी मुझ पर हमला करवाया था!
और हर उस मशीनरी का निर्माण कर सकते हैं, जो मुझको बनानी आती है!
जैसे ये मशीन! 'फ्लूइड सकर', जो तेरा सारा खून चूस लेगी!
यह 'जीवित-धातु' है! जैसे तुम्हारे शरीर की कोशिकाएं द्विगुणित होती हैं, वैसे ही धातु के अणु द्विगुणित होकर बढ़ते हैं!
हाहाहा! तेरा सारा खून दो सेकंड में तेरे शरीर से बाहर निकल जाएगा, और खतरा हमेशा के लिए खत्म हो जाएगा! क्योंकि मेरी जानकारी के अनुसार अब धरती का तू आखिरी इच्छाधारी नाग है!
ये क्या बक रहा है? आखिरी इच्छाधारी नाग! तो बाकी इच्छाधारी नागों को क्या हुआ है?
आऽऽऽह! अद्भुत!
ऐसा विलक्षण और घातक प्राणी तो मुझे पहले कभी नहीं मिला! फिर मुझसे इसकी क्या दुश्मनी हो सकती है?
मर, नागराज...म... अरे! यह क्या? मशीन गल रही है! पर क्यों?
क्योंकि मेरा विष हर जीवित चीज को मृत बना देता है!

और तुम्हारी धातु भी
तेरे विष में अगर जीवित को मृत करने की शक्ति है तो यही शक्ति मेरे वार में भी है! तूने अभी मेरी वह शक्ति देखी है जो धातु को भी बढ़ा सकती थी।...अब घटाने वाली शक्ति देख!
ये 'राडरे' तेरी कोशिकाओं को तेजी से मारने का काम करेंगी, और कुछ ही समय बाद तेरी खाल और मांस को हवा सूखी घास की तरह उड़ाकर ले जाएगी!
आssssह! मुझे इस किरण से बचना होगा!
नहीं बचेगा तू! आस-पास छिपने की कोई जगह नहीं है!
सुरंग तैयार करानी होगी! किरण से
अरे! ये तो जमीन में धंस गया! लेकिन इसको बाहर निकालने के कई तरीके मेरे पास हैं!
स्काडा की शक्तियों का सामना करना सच-मुच कठिन है! मैं तो वार करने का मौका ढूंढ़ ही नहीं पा रहा हूं!
अगर ये सचमुच इतना शक्ति-शाली है तो मैं इसके लिए खतरा कैसे बन सकता हूं!
याद आया! इसने सभी इच्छाधारी नागों को रास्ते से हटाने की बात कही थी! यानी इसको इच्छाधारी नागों से खतरा है!
इस पर नागशक्ति के वार करने होंगे!

और सबसे पहला वार तो मैं विषफुंकार नागशक्ति का ही करता हूं!
फुऊऊ
ओऽऽऽऽफो! तू तो अपने आप बांबी से निकल आया! और सुन! तेरे विष वार मुझ पर बेकार हैं! मेरी 'ऊर्जा-औषधि' मुझे विष के प्रभाव से बचाती रहेगी!
लेकिन तेरे पास ऐसी कोई औषधि नहीं है, जो तुझको मेरे वार से बचा सके!
घटप
ठक
और मेरे विष भरे इंजेक्शन हैं मेरी सर्प सेना! और चूंकि ये इंसान नहीं है, इसलिए मुझे इसके गलने का कोई अफसोस भी नहीं होगा!
आऽऽऽह! फुंकार बेअसर रही! पर क्यों? अगर इसको मेरे विष से भी खतरा नहीं है तो ये मुझे मारना क्यों चाहता है?
यानी इसको खतरा तो है! अगर सुंघाने से इंसान बेहोश न हो तो डॉक्टर इंजेक्शन लगाते हैं!
ओ! सांपों को दांत गड़ाने तक का मौका नहीं मिला! अब कैसे पहुंचाऊं अपना विष इसके शरीर के अंदर?

ध्वंसक सर्पों के इस भीषण वार ने स्काडा की खाल को फाड़ डाला-
हां! मिल गया रास्ता!
और फिर विष फुंकार द्वारा नागराज के विषकण, उन घावों से बहते खून में जा मिले-
आऽऽऽह! भीषण पीड़ा हो रही है! मेरी औषधि भी मेरी रक्षा नहीं कर पा रही है!
अरे! इसका शरीर तो रंगीन धब्बों में बदलता जा रहा है!
और अब वे धब्बे भी एक-दूसरे से दूर हो रहे हैं!

ओह! मेरे 'एपाइंटमेंट' की पूरी लिस्ट रखने वाले नियतसर्प ने मुझे याद दिलाया है कि आज शहीद भगत सिंह की पुण्यतिथि पर एक कार्यक्रम हो रहा है, और निशा के छुट्टी पर होने के कारण मुझे ही उसको कवर करने जाना है!
और वहां जाने से पहले मुझको कैमरा मैन को साथ लेने के लिए ऑफिस जाना पड़ेगा!
और अब वे रंगीन धब्बे तेज गति से नाचते हुए आकाश की तरफ बढ़ रहे हैं! क्या यही है एकाश का अंत? या एकाश भाग रहा है? खैर कुछ भी हो! अगर ये वापस आया तो मुझे इसकी कमजोरी का पता तो चल चुका है!
चल, भई नागराज! अब राज के रूप में काम कर!

ध्रुव, महानगर की तरफ बढ़ रहा था-
मुझे महानगर में ही ठहरना चाहिए था, ध्रुव! ताकि मैं सम्राट की सुरक्षा कर सकूं!
शिशु सम्राट सुरक्षित हाथों में है, चतुर्भुज! फिलहाल हमको नागराज की पूरी स्थिति समझानी है, और नागराज को नागद्वीप में लेकर राजनगर की सारी कहानी सिर्फ तुम ही सुना और समझा सकते हो!
समझा दंगा!
लेकिन महानगर तक जल्दी पहुंचने के लिए हमारी रफ्तार कुछ धीमी है! है न?
रफ्तार भी बढ़ जाएगी! बस एक बार हम पेट्रोल पम्प तक पहुंच जाएं!
महानगर जाने की हड़बड़ी में मैं पेट्रोल भरवाना ही भूल गया!
राजनगर में-
गूं गूं!
टॉयलेट की तरफ इशारा कर रहे हो, गोलू? यानी तुमको सूसू आई है!... अरे, वाह! तुम तो बड़े समझदार बच्चे हो!
अभी कराती हूं तुम्हें टॉयलेट!
शाबाश, राजा बेटा! पुच्च!
अब तू इसे संभाल श्वेता!
संभालती हूं, मम्मा! बस एक मिनट और! सिर्फ लाल और नीली साइड को पूरा करना बाकी है!
ये तो मैं तीन दिनों से सुन रही हूं! तुझको ये 'नई पजल' क्या मिल गई है, तू तो दुनिया भूल बैठी है!
चल संभाल इसको!

अच्छा ठीक है! सुन गोलू लाल, तू सब-कुछ छू लेना लेकिन इस 'पजल' को मत छूना! सुन, राज की बात बताती हूं...
... ये जो 'पजल' है न, इसको उन लोगों ने बनाया है, जिन्होंने आज से पच्चीस साल पहले 'रुबिक क्यूब' बनाया था! अभी तक कोई भी इसके हर रंग को अलग-अलग सतहों पर नहीं लगा पाया है! जैसे लाल एक तरफ, नीला एक तरफ! मैं खुद तीन दिनों से यही पजल सॉल्व कर रही हूं! फुल टाइम! और मैं तो... ही ही... जीनियस हूं! फिर भी...
अरे! अरे! मेरी पजल! इसे छोड़ दे गोलू...
... वर्ना तू मेरी तीन दिनों की साइंटिफिक मेहनत बर्बाद कर देगा!
गोलू के हाथ तेजी से चलने लगे! पजल की सतहें भी तेजी से घूमकर रंग बदलने लगीं-
और सिर्फ दस सेकंड बाद-
हे राम, ये तूने कैसे लगा लिया! बच्चे की किस्मत है! खेल-खेल में लग गया होगा! पर ये बात तू किसी से बताना मत! वर्ना श्वेता जीनियस की बेइज्जती हो जाएगी!

तू तो जंभाई ले रहा है! चल, तुझे तेरे ांड न्यू पालने में सुला दूं!
नींद तो 'शिशु सम्राट' की आंखों से कोसों दूर थी-
दो चेहरे लगातार उसकी आंखों के आगे घूम रहे थे-
सिर्फ नागराज ही हम इच्छाधारी नागों को बचा सकता है, मेरे भाई!
नागराज को मैं खत्म कर दूंगा!
गुडनाइट गोलू! स्लीप टाइट!
सम्राट ने मन ही मन में कुछ ठान लिया था-
क्योंकि श्वेता के जाते ही-
गोलू भी कमरे से बाहर निकल चुका था-
हां, तो मालकिन, कपड़े लई जाएं न!
ले जाओ! लेकिन इस बार कपड़े बटन तोड़ कर मत लाना!
नांही मालकिन! टूटेगा तो हम खुदै टांक देंगे!
जात हैं! राम राम!

तुमको कपड़े देते समय तो सचमुच राम ही याद आते हैं रामआसरे।
श्वेता! गोलू सो गया क्या?
हाँ, मम्मी!
धोबी घाट पर-
हा हा! राजनगर में रहे का यही मजा है! कपड़ा का गंदगी निकालो यहां और नदी की धारा के साथ भेज दो महानगर मां!
हमार कपड़ा भी साफ और राजनगर भी साफ!
अब नदी की धारा बहती है महानगर की तरफ तो इसमें हम का करें! क्यों भइया?
ठीक कहा, रामआसरे!
अरे! अरे! ये बांस गिर गया! एकाएक इतनी तेज हवा कैसे चल गई?
हवा तो हमरी निकल गई भइया!
देखो, डंडे की चोट खाकर हमार टब भी महानगर की सैर को चला गया है!
ओ मां कुछ रहा तो नहीं न?
नांही!
तो जाए दे! नवा टब ले लेना!
शिशु सम्राट महानगर की तरफ रवाना हो चुका था-

और उधर ध्रुव महानगर पहुंच चुका था-
नागराज के बारे में मैं कुछ नहीं बता सकती, ध्रुव!...
BHARTI Towers
... वह कब आएगा, और कब आएगा, यह तो वह खुद भी नहीं जानता!
स्थिति बहुत गंभीर है भारती! अगर नागराज इस वक्त नहीं मिल रहा है तो इसका एक ही मतलब यह भी हो सकता है कि नागराज इस दुनिया में ही न हो!
ये क्या कह रहे हो ध्रुव? भला ऐसा कौन है जो नागराज को नुकसान पहुंचा सके!
स्काडा! न जाने क्यों उसकी इच्छाधारी नागों से दुश्मनी है! और अब वह नागराज की तलाश में महानगर आया है!
वह मानवों जैसा रूप धारण कर सकता है! बदन पर यंत्रों को उगा सकता है, और उन यंत्रों की मदद से असंभव को संभव बना सकता है!
ओ गॉड! मैं अभी अरिदमन को बुलाती हूं!
अरिदमन कौन है?
वही कैमरामैन, जिसके साथ राज के रूप में नागराज एक न्यूज कवर करने गया था, और फिर लौटा नहीं!
और फिर-
मैडम, राज सर तो वहीं से चले गए थे! मैंने पूछा भी कि मैं मैडम से क्या कहूंगा, पर उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया!
ठीक है अरिदमन! तुम जाओ
ये अरिदमन भरोसे के काबिल है भी या नहीं?
ओ, ध्रुव! अब अरिदमन पर शक मत करो! अरिदमन हमारे साथ दस सालों से काम कर रहा है! मैं इसके मां-बाप, भाई-बहन, दोस्त दुश्मन सभी को जानती हूं! ये झूठ कभी नहीं बोलेगा

यह भी तो हो सकता है कि स्काडा यहां पर हो ही नहीं! नागराज उसी से भिड़ने कहीं और गया हो!

हो सकता है भारती! वैसे स्काडा को ढूंढ निकालने का यंत्र मैं साथ लेकर आया हूं! शुरुआत इसी बिल्डिंग से करूंगा! नीचे देखो!

कौन है ये?

एक इच्छाधारी नाग! जिससे स्काडा को सख्त एलर्जी है! अगर नागराज ठीक ठाक है तो वह देर-सबेर सामने आ ही जाएगा, वर्ना हम स्काडा को ढूंढकर सच्चाई जान लेंगे।

BHARTI

तुम इस नाग को पूरी इमारत में घूमने की अनुमति दे दो!

ताकि ये स्काडा के संपर्क में आए, और स्काडा हमारे सामने आ जाए!

ठीक है! मैं संदेश भिजवा देती हूं! और तब तक तुमको अपनी ऑफिस घुमाती हूं! आखिर तुम पहली बार इस ऑफिस में आए हो!

आई डोंट माइंड भारती!

टाइम पास हो जाएगा!

और फिर- चतुर्भुज पूरी इमारत में स्काडा की खोज में बेरोकटोक घूमने लगा-

हम लोग कोई पौराणिक सीरियल बना रहे हैं क्या?

और ध्रुव, भारती के साथ ऑफिस की कुछ दर्शनीय चीजें देखने लगा-

ये हमारे सालाना ग्रुप फोटोग्राफ्स हैं! हर फोटोग्राफ में हमारा हर कर्मचारी शामिल है!

ये पिछले दस सालों के फोटोग्राफ्स हैं!

तुमको फोटोग्राफ्स में देखकर यह नहीं लगता कि फोटोग्राफ्स दस साल पुरानी हैं! तुम आज भी वैसी ही लग रही हो!
ठीक है, ठीक है! ज्यादा मक्खन मत लगाओ! अब आओ!
आऽऽऽह...!
भागो!
ये चीखें!
यानी मेरा ख्याल सही था! स्काडा यहीं पर है!
स्काडा, भारती कम्युनिकेशंस में ही था-
आऽऽऽह! वही मर्मांतक पीड़ा!
और उसको चतुर्भुज ने ढूंढ निकाला है!
आओ भारती!
यही है! यही है स्काडा, भारती! और नागराज कहीं नजर नहीं आ रहा है! यानी नागराज को इसने किसी तरह रास्ते से हटा दिया है!
इसको किसी भी तरह काबू में करके नागराज का हश्र जानना ही होगा!

फिलहाल तो हमको कुछ करने की जरूरत नहीं है ध्रुव! इच्छाधारी, स्काडा पर हावी हो रहा है! स्काडा दर्द से चीख रहा है!
वह रंगीन धब्बों में बदल रहा है! ऐसा तब भी हुआ था जब ये विसर्पी से लड़ रहा था! यानी इसको इच्छाधारी सर्पों से किसी किस्म की एलर्जी है!
अरे! इसके शरीर पर अपने आप मशीनें निकलती आ रही हैं!
मुझे अपने आपको संभालना होगा! इस भयंकर पीड़ा को नजरअंदाज करना होगा!
आ ऽऽ
चतुर्भुज की रीढ़ में कुछ सुईयां घुसी-
और चतुर्भुज के शरीर में लगे झटकों ने उसके दिमाग को अंधेरे में डुबो दिया-
ओह! अब यह जरूर हमारी तरफ आएगा!
लेकिन-
ये तो भाग रहा है! मैं इसकी चाल समझ गया! अब अगर यह अपना रूप बदलकर मानवों में शामिल हो गया तो फिर हम इसको कभी ढूंढ नहीं पाएंगे! और यह न जाने क्या कहर ढाएगा!
ओफ्! गायब हो गया! अब हमारे पास इसको ढूंढ पाने का कोई तरीका नहीं है भारती!

एक काम करो! उस इच्छाधारी नाग को मेरे आने तक अपने पास छिपाकर रखो!
तुम्हारे आने तक? तुम जा कहां रहे हो?
स्काडा को ढूंढने का तरीका ढूंढने!
इसी वक्त- महानगर में तावी नदी के तट पर-
ओफ्फो! लोग आजकल प्लास्टिक की थैलियां तक नहीं फेंकते!
ये... ये बच्चा कहां से आ गया? किसका है?
यहां पर तो कोई नजर नहीं आ रहा है! लगता है खो गया है! इसे पुलिस में देना पड़ेगा!
देंगे! लेकिन पहले मेहनताना तो ले लें!
इसके सारे जेवर ले लें!
ठोस सोने के लगते हैं!
स... सांप! सांप ढेर सारे सांप!
अरे, भागो!
प्रणाम, सम्राट! हम नागराज के जासूस सर्प हैं!
अभिवादन सर्पो! नागराज कहां है?
नागराज से संपर्क टूट गया है! इस वक्त पता नहीं वे जीवित भी हैं या नहीं!
मेरे सेवक चतुर्भुज का पता करो! वह महानगर में ही है

संकेत हवा में तैरने लगे-
हमारे सहयोगी का संकेत आया है, सम्राट! चतुर्भुज को 'भारती कम्युनिकेशंस' में देखा गया है!
वहां तक जल्दी कैसे पहुंचा जा सकता है?
और जल्दी ही जवाब भी आ गया-
आप हमारे पीछे आइए!
जल्दी ही-
सं... सांप!
काले-काले कोबरा! भाग
मैं तो मरा!
कल्लू!
MB01 6136
और जल्दी ही- बिना लाइसेंस के ड्राइवरों का ऑटो, भारती कम्युनिकेशंस की तरफ भागा जा रहा था-

भारती कम्युनिकेशंस में-

मैंने भारती से कहकर किसी के भी इस इमारत के अन्दर या बाहर, आने-जाने पर पाबन्दी लगा दी है! अब स्काडा बाहर नहीं जा सकता! लेकिन मेरे पास सिर्फ लंच आवर शुरू होने तक का वक्त है! उसके बाद में किसी को भी जबरन यहां रोक नहीं पाऊंगा! लंच होने में सिर्फ दस मिनट बचे हैं! दस मिनट में स्काडा को भला कैसे ढूंढा जा सकता है!
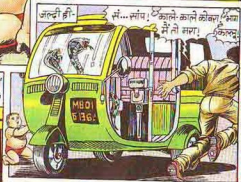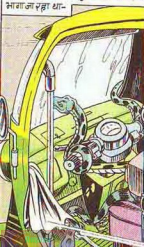
ओ! याद आया! लेकिन ऐसा हो सकता है क्या? पहले अपने शक की पुष्टि करनी होगी!

और फिर-

अरिदमन जी!

ओ, आप तो सुपर कमांडो ध्रुव हैं न! कहिए, क्या सेवा करूं?

राज यानी नागराज को आखिरी बार आपने ही देखा था?

अब आप ही बता सकते हैं कि नागराज कहां है?

नागराज ही राज है! असंभव! कैसे हो सकता है ये?

जैसे तुम स्काडा हो सकते हो, अरिदमन नहीं!

ये... ये क्या कह रहे हो? मैं दस साल से यहां पर काम कर रहा हूं! मैडम मुझको पर्सनली जानती हैं! मैं भला स्काडा कैसे हो सकता हूं?

अगर तुम दस साल से यहां काम कर रहे हो...

...तो 'भारती कम्युनिकेशंस' के किसी भी सालाना ग्रुप फोटोग्राफ में तुम्हारी एक भी तस्वीर क्यों नहीं है मिस्टर अरिदमन? या मैं कहूं... मिस्टर स्काडा!

हां, मैं स्काडा हूं! तेरी समझदारी काफी खतरनाक है!

नागराज से लड़ते वक्त मैंने उसके दिमाग को शून्य करने की कोशिश की!

लेकिन मुझे सफलता नहीं मिली! पर मुझको नागराज के गुप्त रूप राज और राज के काम करने की जगह का पता जरूर लग गया!

और मैंने प्लान बदल दिया! नागराज के ज़हर से मुझे मेरी औषधि भी बचा नहीं पा रही थी! इसलिए मैंने नागराज को असावधान अवस्था में हराने की सोची! और उसको असावधान अवस्था में यहीं पर पकड़ा जा सकता था। राज के रूप में! इस ऑफिस में!
बस मैंने वही किया, और नागराज मेरे रास्ते से हट गया!
नागराज रास्ते से हट गया! कैसे? मुझे कुछ भी समझ में नहीं आ रहा है! तुम हो कौन? इच्छाधारी नागों से तुमको भला क्या खतरा है? तुम्हारे शरीर पर मशीनरी कैसे उग आती है? तुम...तुम यहां पर दस साल से काम करने वाले अरिदमन कैसे बन सकते हो?
इस मशीन की मदद से! N.I.M. यानी जिसे कहते हैं इसको! न्यू आइडेन्टिटी मेकर! यह किसी भी प्राणी के लिए एक बिल्कुल नई शख्सियत और पिछली जिन्दगी रच सकती है! इसी की मदद से मैंने अरिदमन का रूप धरा था! बस इन फोटो में अपनी शक्ल चिपकाने का काम मैं भूल गया! वर्ना...
ये काम तुम कैसे कर सकते हो? कैसे बना सकते हो ऐसी मशीनें?
क्योंकि मेरा विज्ञान पृथ्वी से हजारों, लाखों वर्ष आगे का है! मैं एक परग्रही हूं! सुदूर ग्रह से आया हूं!
हम जीवित धातु बना चुके हैं! जो हमारे संकेतों पर बंद कर कोई भी रूप ले सकती है! मैं ऐसी ही धातु के बने यान के द्वारा एक अभियान से अपने ग्रह कडा वापस लौट रहा था, तभी मेरे सामने एक विशाल उल्का 'कडा' से जा टकराई! देखते ही देखते ग्रह की सारी आबादी नष्ट हो गई! पूरी एक सभ्यता खत्म हो गई!
अकेला बचा था तो सिर्फ मैं! और मेरे जैसे कुछ ऐसे और कडा वासी जो अंतरिक्ष अभियानों पर निकले हुए थे!
मेरे सबसे पास पृथ्वी ही एक ऐसा ग्रह था, जिसकी जलवायु हमारे अनुकूल थी!
मैं यहीं पर आ गया, और इच्छाधारी नागों के द्वीप के पास समुद्र में उतरा!...

लेकिन उतरते ही गड़बड़ हो गई! जमीन पर पैर रखते ही मुझे पता चल गया कि मुझे यानी कडाग्रह वासियों को इच्छाधारी नागों से घातक एलर्जी है! ऐसी एलर्जी जो हमारी जान ले सकती है! मुझे काफी समय तक पृथ्वी पर रहना था, और इस दौरान यह एलर्जी मेरे सिर पर तलवार की तरह लटकती रहती! इसका एक ही हल था! सभी इच्छाधारी नागों का सफाया! पर इसकी जरूरत नहीं पड़ी!

जल्दी ही मुझे पता चल गया कि बेहोश इच्छाधारी नागों से मुझे खतरा नहीं था! मैंने वैज्ञानिक शक्ति की मदद से उन सब इच्छाधारी नागों के चेतन मस्तिष्क को शून्य कर दिया! इसी दौरान मैं तुमसे भी टकराया था!

लेकिन नागराज कहां है?

फिर नागराज से टकराने महानगर आ पहुंचा था!

नागराज के राज बनकर ऑफिस में पहुंचने से पहले ही मैं अरिदमन के अतीत और उसकी शख्सियत को निम मशीन की मदद से बना चुका था! नागराज को भी यही याद आने लगा कि उसको कैमरामैन अरिदमन को लेकर न्यूज कवर करने जाना है! वह जैसे ही मेरे इस कमरे में घुसा, मैंने उस पर निम मशीन द्वारा वार कर दिया-

क्या बना दिया तुमने उसको?

अब वह क्या बन गया है?

नागराज यह समझ तो गया कि मैं असल में अरिदमन नहीं एकाडा हूं, पर तब तक देर हो चुकी थी! नागराज कुछ और ही बनकर कहीं और ही पहुंच चुका था-

स्वतंत्रता सेनानी बन गया है नागराज! इस वक्त वह 1940 के दशक में अंग्रेजों के खिलाफ स्वाधीनता का संग्राम लड़ रहा है!

वह भूल चुका है कि वह नागराज है! अब उसका एक नया अतीत है, और नया नाम है, बागी राज! जिसके सिर पर अंग्रेज सरकार ने पच्चीस हजार का इनाम रखा है!

ऐसा नहीं हो सकता! नागराज को इस समय में वापस आना ही होगा! मैं लाऊंगा उसे!

मैं ऐसा नहीं होने दूंगा! मुझे पृथ्वी पर कडावासियों की एक नई प्रजाति विकसित करनी है! अपने डी.एन.ए. के जरिए! और जब तक नागराज जैसे इच्छाधारी सर्प मुझसे दूर नहीं रहते तब तक यह काम हो पाना असंभव है!

इसलिए मैंने सभी इच्छाधारी नागों के चेतन मस्तिष्क को बेहोश कर दिया है! और नागराज को भेज दिया है अतीत में, उस अतीत में जहां पर नागराज के विषय में कोई जानता ही नहीं है! कोई उसको यह बात याद दिला ही नहीं सकता है! और जब तक नागराज को यह याद नहीं आएगा कि वह वर्तमान का नागराज है, तब तक वह वापस नहीं आ सकता!

तू अतीत में जाएगा जरूर! लेकिन नागराज के अतीत में नहीं! बल्कि उस अतीत में जब पृथ्वी दहकते लावे का गोला थी! जहां पर पहुंचते ही तू पलभर में भस्म हो जाएगा!

ओफ! बगैर इस मशीन की कार्य विधि जाने मैं खुद नागराज तक नहीं पहुंच सकता! मुझे मदद चाहिए!

तब तो मैं अवश्य जाऊंगा अतीत में! और नागराज को सच बताकर उसे वापस लाऊंगा!

'मदद', भारती कम्युनिकेशंस तक पहुंच चुकी थी-

लेकिन ध्रुव से ज्यादा मदद की जरूरत फिलहाल-

बागीराज को थी-

सन् 1945! द्वितीय विश्वयुद्ध के साये में पलता भारत का स्वतंत्रता संग्राम-

देखो! मैं कहता हूं कि ये अंग्रेज हमको कभी आजादी नहीं देंगे! देश के दो टुकड़े करने की बात कही जा रही है! लेकिन हम इसे मान भी लें, तो भी हम आजाद नहीं होंगे!

प्रताप

4 मार्च 1945

भारतवर्ष आजादी का हकदार

आजादी एक गलत कदम

जनरल टोटकम का एतराज

क्यों, दादा भाई? जब वायसराय तैयार है तो कौन रोक सकता है हिन्दुस्तान को आजाद होने से?
जनरल टीटकम!
कहते हैं कि जब ये पैदा हुआ था तो रोया नहीं था! दूसरे लोग जरूर रोए थे! क्योंकि इसके पैदा होते वक्त इसकी माँ को इतनी यंत्रणा हुई थी कि वह मर गई थी!
शैतान का अवतार है ये! इसके कैदी कभी फांसी नहीं चढ़ते! क्योंकि इसकी यंत्रणा के डर से वे खुदकुशी कर लेते हैं! ये भी सुना है कि कुछ अद्भुत काली शक्तियाँ हैं इसके पास!
लेकिन वह तो रिटायर होकर वापस इंग्लैंड जा रहा है!
हाँ! और उसकी जगह लेने हिन्दुस्तान आ चुका है, जनरल क्रुस्लर!
ऐसी कहानियां तो हम सुनते रहते हैं!
ये आजादी का सख्त विरोधी है! और इंग्लैंड से आई गुप्त सूचना के अनुसार तो...
...कुछ षड्यंत्रकारियों ने इसको यहाँ पर वायसराय की हत्या के लिए भेजा है! और अगर ऐसा हो गया तो अंग्रेजी शासन हिन्दुस्तान से कभी खत्म नहीं होगा! क्योंकि वायसराय की हत्या का इल्जाम हिन्दुस्तानियों के सिर मढ़ा जाएगा!
क्रुस्लर को मारने से ज्यादा वायसराय को बचाना जरूरी है बाजीराव! लेकिन ये काम तुम्हारे अलावा और कोई कर नहीं सकता और तुम बाहर जा नहीं सकते!
क्योंकि तुमको देखते ही गोली मार देने के आदेश जारी कर दिए गए हैं!
आजादी की ज्वाला तेल से नहीं, शहीदों के खून से जलती है दादा भाई!
काम पूरा होने से पहले मैं मौत को आस-पास भी फटकने नहीं दूंगा! मुझे रोकिए मत!
आदेश दीजिए दादा भाई! क्रुस्लर के उबलते खून को मेरी एक ही गोली ठंडा कर देगी!
ठीक है! जाओ! लेकिन श्यामा को साथ लेते जाओ!
जोड़ियों पर लोग जल्दी शक नहीं करते!
आपकी आज्ञा शिरोधार्य है दादा भाई!

वर्तमान में ध्रुव, नागराज को वापस लाने के लिए स्काडा से जूझ रहा था-
एक समस्या है! अगर मैं अतीत मे पहुंच भी गया तो मैं भी अपने आप भूल जाऊंगा! फिर मैं नागराज को भला कैसे या दिलाऊंगा कि वह बागीराज नहीं, नागराज है!
इस समस्या को तू कभी नहीं सुलझा पाएगा लड़के!...
...क्योंकि मशीन के कंट्रोल को सेट करना सिर्फ मैं जानता हूं!
और मैं ऐसा...
ओ! फिर वही मर्मान्तक पीड़ा! लेकिन अब मुझको किससे एलर्जी हो रही है? सारे इच्छाधारी सांप तो 'सुप्तावस्था' में चले गए हैं!
ये कुछ और ही... ओ! ये संपोला बच गया!
और यहां तक भी आ गया! कैसे?
ही ही ही!
शिशु सम्राट! ओ ये यहां कैसे आ गया? अब मुझे फिर से पहले इसको बचाना होगा!
ओ! बचा लिया!

ध्रुव, शिशु सम्राट को बचाने के चक्कर में, और स्काडा शिशु को मारने की व्यस्तता में यह देख ही नहीं रहे थे-
कि मशीनों के कंट्रोल तेजी से अपने-आप इधर-उधर हिलने लग रहे हैं-
और कुछ ही मिनटों में-
अरे! ये... ये निम मशीन अपने-आप चालू कैसे हो गई?
मुझे इसको बन्द करना होगा!
लेकिन मशीन बन्द होने के पहले ही-
ओऽऽऽ किसी अदृश्य शक्ति ने मुझे प्रकाश पुंज में धकेल दिया है! मैं गायब हो रहा हूं! मैं जरूर अतीत में जा रहा हूं!
पर शिशु सम्राट को मैं स्काडा के रहमो-करम पर नहीं छोड़ सकता!
अब जो मेरा हश्र होगा...
...वह शिशु सम्राट का भी होगा!
दोनों के शरीर, रोशनी में घुलते चले गए-

पता नहीं, अच्छा हुआ या बुरा! ये खतरनाक लड़का नागराज तक पहुंच ही जाएगा! लेकिन वापस नहीं आ पाएगा! क्योंकि मैं वापस आने का रास्ता ही बन्द कर दूंगा! पर एक बात मेरी समझ में नहीं आई...
...जिस मशीन के कंट्रोलों को सही स्थान पर किसने लगाया? और कैसे?
स्काडा के रास्ते से अड़चन दूर होकर पहुंच चुकी थी-
अतीत में- सन् 1945-
स्थान- जनरल क्रुस्लर का निवास स्थान-
तो ये है पहाड़ों के साए में क्रुस्लर का घर! आज मैं शैतान को शैतान के पास भेज दूंगा!
संभलकर, बागीराज! चारों तरफ सख्त पहरा है!
ओह! सांप! मैं अभी इसे शूट कर देती हूं!
नहीं, श्यामा! गोली की आवाज से दुश्मन सतर्क हो जाएगा!
बागीराज से नजरें मिलते ही-
सांप फन झुकाकर दूसरी तरफ सरक गया-
कमाल है! सांप तुमसे डरकर भाग गया!
क्रुस्लर-
आ गया बागीराज!
अब शुरू होगा प्लान का दूसरा स्टेप!
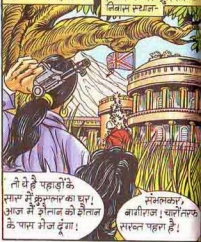
कस्लर तक पहुंचने के लिए रास्ते की अड़चनें चुपचाप हट रही थीं-
ओ, शीsss! मुझे पता नहीं था तुम इतनी जोर से भी मार सकते हो!
मुझे खुद नहीं पता था, श्यामा...
तभी-
राज! उधर देखो!
हे भगवान! यह काम तो सिर्फ शैतान ही कर सकता है!
मासूम हिन्दुस्तानी बच्चों को खंभे से बांधकर चट्टान से कुचलवाया जा रहा है!
मैं ऐसा नहीं होने दूंगा! मेरे जिन्दा रहते अगर किसी हिन्दुस्तानी का खून बहेगा तो सिर्फ मेरा!
राज भला इतनी तेज कैसे दौड़ सकता है?
बच्चों को खोलने का वक्त नहीं है! चट्टान एकदम पास आ गई है!
बचाओ!
मम्मी!
हमें जाने दो! खोल दो!

अगले ही पल सभी चकित रह गए-
हे भगवान! यकीन करूं तो कैसे? और न करूं तो क्यों?
आई... आई डोंट बिलीव इट! इस चट्टान को टुम, टेन इंडियन मिलकर लुडका पाया था! बट... बट...
...इसको एक इंडियन ने रोक डिया! इस चट्टान का वेट फिफ्टी टन तो जरूर होना मांगटा! अनबिलीवेबल!
ये फरिश्ता है सरकार! हमको जो पाप करने पर आप मजबूर करते हैं, उससे हमें बचाने आया है!
हां, देखिए! उसने चट्टान को सिर्फ थामा ही नहीं है...
...बल्कि अब उछालकर हमारे ऊपर फेंक भी दिया है!
ओ जीसस! ये मैन है या हर्कुलिस!
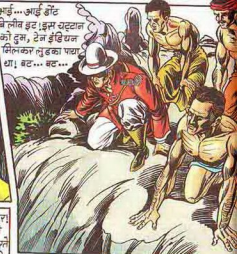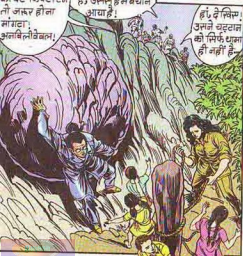
तुमने ये काम किया कैसे राज ? कैसे ?
म... मुझे खुद नहीं पता श्यामा ! मुझे लगा कि मैं चट्टान को रोककर वापस ऊपर फेंक सकता हूं ! तो बस, मैंने चट्टान को रोका और फेंक दिया !
अब बहस बाद में करना, पहले बच्चों को लेकर यहां से बाहर जाओ !
मैं क्रुस्लर...
क्रुस्लर को ढूंढने जाने की जरूरत नहीं है !...
...क्रुस्लर यहीं है !
ये सारा तमाशा तुझे सामने लाने के लिए ही खेला गया था !
मैं जानता था कि तू मासूम बच्चों को बचाने के लिए सामने आ जाएगा !
लेकिन तू ये नहीं जानता होगा कि मेरे सामने आने के बाद मैं तेरा क्या हाल करूंगा ! छः छेद कर दूंगा तेरे बदन में !
फिर चाहे तेरे नौकर मेरे शरीर को छलनी बना दें !
तेरी हर गोली के जवाब में दस गोलियां चलेंगी, बागीराज ! पर निशाना तू नहीं होगा ! निशाना होंगे मासूम बच्चे और ये नाजुक हसीना !
दूसरा जलियांवाला नहीं देखना चाहता, तो कर दे अपने आपको मेरे हवाले !
और फिर-
तूने मुझे पकड़ कर जिन्दा क्यों रखा है कमीने ? मार क्यों नहीं देता मुझे ?
ये फांसी घर नहीं, मेरे घर के तहखाने में बना यंत्रणा कक्ष है, बागीराज !
और तुझे मार दूंगा तो वायसराय के कत्ल का इल्जाम किसके सिर पर मढूंगा ? तू मेरे जाल में फंस गया है बागीराज ! इंग्लैंड से तेरे दादा भाई को सारी गुप्त सूचनाएं मैंने ही भिजवाई थीं ! ताकि तुम आजादी पाने के लिए वायसराय को बचाने की कोशिश करो ! लेकिन अब हिन्दुस्तान की रानी कभी आजाद नहीं होने देगी !
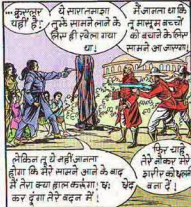
क्योंकि वायसराय इंग्लैंड की रानी के करीबी रिश्तेदार हैं। और वायसराय की जब हिन्दुस्तानी बागी हत्या कर देंगे तो रानी हिन्दुस्तान को कभी आजादी नहीं देगी! सदियों तक गुलामी का बोझ ढोओगे तुम हिन्दुस्तानी कीड़े!

लेकिन ये तख्ते लकड़ी के हैं राज! इनको तोड़ो!

वही कोशिश कर रहा हूं श्यामा! लेकिन ताकत लगाते ही ये जंजीरें मेरे शरीर को अलग-अलग दिशाओं में खींचने लगी हैं!

ये चीर डालना चाहती हैं मुझको!

मुझे दुगुनी ताकत लगानी होगी! आधी चेनों को वापस खींचने के लिए, और आधी तख्ते तोड़ने के लिए!

लेकिन अगर देश की आजादी, मेरी आजादी पर निर्भर करती है...
...तो मैं आजाद होऊंगा श्यामा!
जरूर होऊंगा!
राज के आजाद होते ही-
वह खतरे का अलॉर्म घनघना उठा-
ओह! क्रूस्लर ऐसा यंत्र लगा गया था कि मेरे आजाद होते ही सबको खबर हो जाए!
सिपाही आ गए हैं राज! मुझे छोड़ो! तुम भागो!
नहीं, श्यामा! तुमको अकेला छोड़कर भला मैं कैसे भाग सकता हूं! फिर मैं भागूंगा भी कहां? हम तो यंत्रणा कक्ष में कैद हैं!
श्यामा की चेनें टूटने के साथ ही बंदूकें भी गरज उठीं-
राज! ओ राज! तुम्हारी पीठ में तो कई गोलियां आ धंसी हैं!
नहीं श्यामा! मुझे... मुझे तो कुछ महसूस नहीं हो रहा है!
तुम्हारी शर्ट पीछे से चिथड़े हो गई है!

लेकिन तुम्हारे शरीर पर एक भी घाव नज़र नहीं आ रहा है! ये चमत्कार पर चमत्कार क्यों हो रहे हैं?
कुछ समझ में नहीं आ रहा है! शायद भगवान हमारी रक्षा कर रहे हैं! बस एक चमत्कार और हो जाए! अगर मैं सलाखों के पार निकल कर...
...सिपाहियों तक पहुंच जाऊं, और इनकी बंदूकें छीन लूं तो...
...अरे! मुझे... मुझे क्या हो रहा है?
ये तो गायब हो रहा है! मुझे चिकोटी काट!
मैं तो अपनी जीभ काट चुका हूं! ये इंसान नहीं, शैतान है!
पर... पर कैदी गया कहां?
लड़की अभी भी कैद में है! वह बताएगी! बंदूक तान उस पर, और पूछ इससे कि बागीराज कहां है?
बागीराज मौत की तरह तुम्हारे पीछे खड़ा है!
ला, बंदूक मुझे दे!
और जिसको मानता है उसको याद कर ले!
इससे पहले कि गोलियां दोनों पहरेदारों के बदन को चीर डालतीं-

निशाने अपनी जगह से हट चुके थे-
ओह! मैं बिल्कुल सही वक्त पर पहुंचा नागराज! वर्ना तुम्हारी इंसानी जान न लेने की कसम टूट जाती, और तुमको हमेशा इस बात का पश्चाताप रहता!
धांय धांय
नागराज कौन है? और कैसी कसम? ये कौन है जो पहरेदारों को बचा रहा है? और ये बंद गलियारे में कहां से टपक पड़ा? पहनावे से तो अंग्रेजों का पिट्ठू लग रहा है! आखिर ये हो क्या रहा है? मुझमें चमत्कारी शक्तियों का आना और फिर बंद कमरे में इस लड़के का आ टपकना, जो देखने से हमारे समय तक का नहीं लगता!

तुम भी इस वक्त के नहीं हो नागराज! तुम बागीराज नहीं नागराज हो। अद्भुत नागशक्तियों से युक्त एक इच्छाधारी मानव-नाग। मेरे साथ चलो नागराज! मैं तुमको लेने आया हूं।
इससे बड़ी बकवास तो मैंने जिन्दगी में नहीं सुनी। फिलहाल तो हट जा मेरे रास्ते से। मुझे वायसराय को बचाकर जनरल क्रूसलर की योजना को ध्वस्त करना है। मुझे वैसे भी कुछ समझ में नहीं आ रहा है।
ताला टूट गया!
पर मैं समझ रही हूं, बागीराज! याद करो कि दादा भाई ने क्रूसलर के पास काली शक्तियां होने का जिक्र किया था। तुम्हारे अंदर की शक्तियां भी उसी की देन हैं। क्योंकि क्रूसलर यह नहीं चाहता कि वायसराय के मरने से पहले तुम मारे जाओ।
मुझे लगता है कि तुम सही कह रही हो! अभी क्रूसलर के प्लान को पूरा होने में डेढ़ घंटा बचा है। तुम वहां पहुंचकर क्रूसलर को रोकने की कोशिश करो।
तब तक मैं इस काले जादू की औलाद को खत्म करके आता हूं।
ठीक है बागीराज! अगर तुम वक्त पर न पहुंच सके तो मैं खुद क्रूसलर को खत्म कर दूंगी।
और इस अजीबो-गरीब लड़के को भी उसी ने भेजा है!
ताकि तुम समय रहते वायसराय तक न पहुंच सको!
ध्रुव ने भी इस व्यवधान का फायदा उठाया-
आप कालकोठरी में आराम करें छोटे सम्राट! तब तक मैं नागराज की खोपड़ी में अक्ल भर के आता हूं!

हां तो फिरंगियों की कठपुतली, क्या कह रहा था तू ? मैं नागराज नहीं हूं। इंसान तक नहीं हूं ! एक सांप हूं, सांप !
सांप नहीं इंसान हो नागराज ! लेकिन ऐसे विलक्षण इंसान, जिसमें नागरूप धर सकने की भी शक्ति है !
सांप तो मैं अभी भी हूं लड़के ! एक ऐसा जहरीला सांप जो सिर्फ अंग्रेजों और उनके चमचों को डसता है !
याद करो नागराज ! विसर्पी, नागद्वीप, कालदूत, भारती, वेदाचार्य सबको याद करो नागराज ! मुझे याद करो ! मैं सुपर कमांडो ध्रुव हूं ! तुम्हारा दोस्त !
लो, मैं अभी साबित कर देता हूं कि तुम नागराज हो ! क्योंकि शर्ट के नीचे तुम्हारी खाल हरे शल्कों से ढकी है ! नाग जैसे शल्कों से ! ये देखो ?
अरे ! ये खाल तो सामान्य इंसानों जैसी है !
अपना नाम अंग्रेजों जैसा रखा है तूने, और मुझे महाभारत काल के नाम याद दिला रहा है ! वो नाम जो आज तक मेरे कानों में नहीं पड़े !
ओह ! गोलियां खत्म

ये 'निम' मशीन का कमाल है! उसने नागराज की याददाश्त के साथ साथ इसके शरीर पर के सारे ऐसे चिन्ह मिटा दिए हैं, जो इसको याद दिला सकें कि ये नागराज है!
एक और कोशिश करके देखता हूं!
अगर तुमको इंसानों की याद नहीं है...
...तो अपनी शक्तियों को याद करो, नागराज! सर्प रस्सी विस्फोटक सर्प, सम्मोहन, इच्छाधारी शक्ति! विष फुंकार!
विष फुंकार! यानी मैं सांप जैसी जहरीली फुंकार छोड़ सकता हूं?
अभी देख लेते हैं!
फूssss हाहाहा! सचमुच जहरीली फुंकार छोड़ी है मैंने! छिपकलियां मर गईं! तेरे काली शक्तियों से युक्त मालिक्यूलर ने सचमुच मेरे अंदर गजब की शक्तियां भर दी हैं!
तू और क्या शक्तियां कह रहा था! सांप रस्सी! लेकिन सांप आएंगे कहां से?
नाक में फिल्टर लगा लूं! लेकिन ये भी मुझे फुंकार से ज्यादा देर तक नहीं बचा पाएगा!
हीहीही! कमाल हो गया! मेरी आस्तीन से सांपों की रस्सी निकल कर अंग्रेजों के पिट्ठू को ही पकड़ रही है!
ओफ! ये क्या मूर्खता कर दी मैंने? इसकी याददाश्त तो आई नहीं, पर मेरी मौत जरूर आ गई!
सर्प रस्सी से आजाद होना ही होगा!

लेकिन आजाद होऊं तो कैसे? मेरे पास आजाद होने के लिए सिर्फ स्टार-ब्लेडस हैं। और उनसे सर्प रस्सी के सांपों को काटते ही दूसरा सांप आकर उसकी जगह ले लेगा।

अब तो फुंकार नोज फिल्टर के पार आने लगी है। मैं होशोहवास को ज्यादा देर तक कायम नहीं रख पाऊंगा।

ध्रुव को मदद की जरूरत थी-

और मदद उसको मिलने भी वाली थी-

एक अनपेक्षित स्थान में-

स्काडा से-

ध्रुव, नागराज के पास पहुंच गया है और उसने अपनी याददाश्त को भी कायम रखा हुआ है। ठीक वैसे ही जैसे मैंने अरिदमन बनकर भी अपनी असली याददाश्त को बनाए रखा था। परन्तु मशीन उन कंट्रोलों पर सेट हुई कैसे? संयोगवश, या किसी ने मशीन को सेट किया था? खैर...

फिलहाल तो मुसीबत 1945 में पहुंच चुकी है! मुझे 'लिंक मशीन' को बनाए रखे रहना होगा, ताकि मैं वहां का पूरा घटनाक्रम देख सकूं! खतरा सिर पर है! क्योंकि पहले तो ध्रुव मुझे धता बताकर 1945 में पहुंच गया...

...और अब ध्रुव नागराज की याददाश्त को छेड़-छेड़कर उसको उसकी असलियत याद दिलाने की कोशिश कर रहा है! नागराज को शक्तियां याद दिलाकर ध्रुव कुछ हद तक सफल भी हो गया है!

मुझे इस गड़बड़ को यहीं रोकना होगा! अब मैं कंट्रोलों को 'मैक्सिमम' पर सेट करूंगा ताकि नागराज पर बागीराज की याददाश्त पूरी तरह से हावी हो जाए!

स्काडा द्वारा, कंट्रोलों में छेड़छाड़ करते ही-
1945 में मौजूद, 'बागीराज' उर्फ नागराज की शक्तियां लुप्त होने लगीं-
अरे! मेरी... मेरी शक्तियों को क्या हो रहा है?
मैं भूल रहा हूं कि इन शक्तियों को मैंने कैसे जगाया था!
पर अब मैं नागराज को बागीराज के खोल से कैसे बाहर लाऊं?
शायद बागीराज की स्मृति नागराज पर फिर से हावी हो रही है! वैसे तो यह खराब बात है!
लेकिन अगर नागशक्तियां मुझे मार देतीं तो यह और ज्यादा खराब बात होती!
आऽऽऽह! नागराज अपनी नाग शक्तियां तो भूल सकता है, लेकिन शारीरिक शक्ति चाहकर भी नहीं भूल सकता!
और यह शक्ति भी मेरा भुर्ता बनाने के लिए काफी है!

अब नागराज को बुलाने का एक ही उपाय है! बागीराज को खत्म होना होगा! जब इंसान जिन्दा ही नहीं होगा तो उसका अस्तित्व भी नहीं रहेगा! और बागीराज की शख्सियत खत्म होते ही नागराज को अपनी असली शख्सियत याद आ जाएगी!

गोली-बारूद नागराज उर्फ बागीराज को मार नहीं सकते! ये मिट्टी के तेल से जलता लैंप शायद मेरी मदद कर सके!

ओह! बहुत बड़ा जुआ खेला है मैंने नागराज के साथ! अगर मेरा सोचना जरा सा भी गलत निकला तो नागराज की जान खतरे में पड़ सकती है। पर मैं उसको बचाने के लिए तैयार हूं!

लेकिन जैसे-जैसे बागीराज की शख्सियत मौत के करीब पहुंचती गई-

नागराज की शख्सियत आजाद होती चली गई-

आ

और-
ध्रुव! मुझे सब याद आ गया! लेकिन बागीराज का फर्ज भी मैं भूला नहीं हूं! जिस काम के लिए किस्मत ने मुझे यहां पर भेजा है, उसे मैं करके ही जाऊंगा
क्योंकि अगर मैं चूक गया, तो शायद हिन्दुस्तान को कभी आजादी नहीं मिलेगी!
ढपाक
हिन्दुस्तान को आजादी जरूर मिलेगी नागराज! इतिहास को मैं मिटने नहीं दूंगा, चाहे वह इतिहास मेरे खून से ही क्यों न लिखा जाए!
सन् 2001 में-
ओऽऽऽऽह! नहीं! सारी योजना मिट्टी में मिल गई! नागराज को वापस नहीं आना चाहिए! वर्ना मेरी गलती मुझे मार देगी! पर ऐसा क्या करूं, जिससे नागराज भूतकाल में ही खत्म हो जाए!
जनरल कुस्लर की मदद करनी होगी! उसमें मौजूद काली शक्तियों को इतना बढ़ाना होगा कि वह नागराज का काल बन जाए!
हां! यही ठीक रहेगा!

कुस्लर ने योजना पर अमल शुरू कर दिया था-
आने पर आने के लिए धन्यवाद जनरल! पर आपने कहा था कि आप मुझको कुछ खास चीज दिखाने वाले थे!
यस मिस्टर वायसराय! बागियों ने आपको मारने की योजना बनाई है!
और इस वक्त आप मौत के करीब...
बकता है ये वायसराय जी! आपको मारने की योजना बागियों ने नहीं, इसने बनाई है!
बागी लड़की! तू... तू यहां तक कैसे आ गई?
तेरी योजना को नाकामयाब करने के लिए, कुस्लर!
मैं तो बागीराज मुझे मारने आता, जिसका मैं इंतजार कर रही थी! पर सिपाहियों ने मुझे देख लिया था!
इसलिए तुझे मारने का बीड़ा मुझे ही उठाना पड़ा!
शूट हर! किल हर!
कुस्लर के आदेश पर गोलियों की बौछार रूपासा की तरफ लपकी-
लेकिन अगर मौत न आई हो-
तो बचाने वाले के हाथ-
तड़ धांय

गोलियों से भी तेज चलते हैं–
क...कौन हो तुम?
तुम्हारा बागीराज श्यामा!
गोलियों से बच्चे को नुकसान पहुंच सकता है! तुम इसे संभालो श्यामा! तब तक हम वायसराय को बचाते हैं!
घबराओ मत! हिन्दुस्तान जितना तुम्हारा है, उतना हमारा भी है! इसको आजादी मिलने में हम कोई अड़चन नहीं आने देंगे!
फिलहाल तुम मुझे नागराज कह सकती हो!
अब नागराज, बागीराज का काम पूरा करेगा!
सर! हरा वाला तो आराम से गोलियों को पचा जा रहा है!
ये जोकर कहां से आ गए? स्वतंत्र कर दोइनतीनों को!
कुछ गड़बड़ हो गई है! मुझे वायसराय को इसी अफरातफरी में खत्म कर देना चाहिए!
तो फिर तोपें मंगाओ! कुछ भी करो!
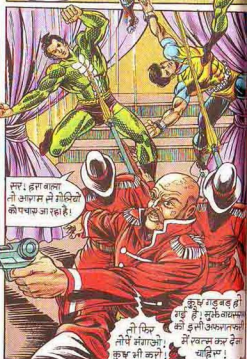
तो ये है बागियों का षड्यंत्र जनरल कुस्लर! तू खुद बागी बन गया है! गद्दार!
मैं तो सिर्फ गद्दार बना हूं हिन्दुस्तानियों के चमचे! लेकिन तू एक लाश बनने वाला है!
घुड़सवार सैनिकों की टुकड़ी आ गई है ध्रुव! इनको समझाने का समय नहीं है! तुम इनको रोको मैं वायसराय को बचाता हूं!
ओ. के. नागराज!
लगता है तू तलवार से नहीं घोड़ों की टापों के नीचे आकर मरना चाहता है!
मैं? या तुम लोग?
हिननन! हिननन नहीं ssss
कूदने लगे-
अरे! अरे! इन घोड़ों को एकाएक क्या हो गया?
ध्रुव की बात को समझते ही घोड़े-

नागराज को भी कोई खास मुश्किल पेश नहीं आ रही थी-
बस! बंद कर गोलियों का ये शोर!
धांय
तू तो सांपों की रस्सी पर झूल रहा है! ईईईई!
गोलियां भी पचा जाता है!
पर कैसे?
ये तुमको अपने आप सोचना और समझना पड़ेगा, कुरुलर! क्योंकि मैं यहां पर ज्यादा देर रुक नहीं सकता!
2001 में-
बहुत आसानी से जीत रहे हैं नागराज और ध्रुव! अब वक्त आ गया है कुरुलर को शक्ति देने का!
1845
1945 में-
आऽऽऽह! हवा में ये रोशनी कैसे चमक उठी है?
इस प्रकाश पुंज में से कुछ निकलकर मेरे शरीर में धंस रहा है!
अब कुछ और मेरे शरीर से आ टकराया है!
इसकी तो शक्लो-सूरत बदल रही है ध्रुव!

इसके शरीर पर मशीनरी भी पैदा हो रही है। ये जरूर रूकाडा का काम है!
हां, ये मेरा ही काम है, समझदार लड़के। इसके शरीर में घुसी औषधि ने इसकी 'जैविक संरचना' बदल दी है। इस संरचना पर विष असर नहीं करेगा!
और इसके शरीर पर चिपकने वाली वस्तु 'जीव-धातु' है। ऐसी प्रकार की 'जीव-धातु' जिसको निर्देश की आवश्यकता नहीं पड़ती। यह स्वयं ही परिस्थिति के अनुसार नस-नस घातक आकार धारण कर सकती है!
मामला एकाएक खतरनाक हो गया है, ध्रुव! मशीनों ने घातक अंगों का रूप धारण कर लिया है। और इस पर मेरी विषैली शक्तियाँ असर नहीं कर रही हैं। अब क्या करें?
नागराज और ध्रुव अनुभवी लड़ाके थे-
पर वायसराय का अधेड़ शरीर उतना फुर्तीला नहीं था-
फिलहाल तो जिन्दा रहने की कोशिश करते हैं! इसका शरीर भारी मशीन उठाने का आदी नहीं है, इसलिए इसकी निशाना साधने की गति बहुत धीमी है! हम बचते रह सकते हैं!
क्रुरलर, वायसराय पर वार कर रहा है! और वे डर के मारे हिलना तक भूल चुके हैं!
हिन्दुस्तान की आजादी दिलाने का एकमात्र रास्ता है इनको बचाना, और इनको बचाने का एक मात्र रास्ता है...

अपने आपको इनकी ढाल बना देना!
आऽऽऽह!
नागराज घायल हो गया है!
आऽऽऽह! अब इसको हराना तुम्हारा काम है, ध्रुव!
हम जिधर भी वार करते हैं नागराज, उस दिशा में वार करने के लिए इसके शरीर पर एक नई मशीनरी उग आती है!
इसकी इसी ताकत को इसकी कमजोरी बनाया जा सकता है! सुनो!
योजना बनने लगी-
और- अरे, तुम तीनों तो मेरे सामने हो! फिर मुझ पर वार किसने किया?
ओह! ये...ये तो सांप हैं! मेरे चारों तरफ पोजीशन लेकर मुझ पर विस्फोटक वार कर रहे हैं!
लेकिन मैं इनका एक साथ मुकाबला करूंगा! मेरे शरीर पर की मशीनरी अपने-आप बढ़कर नए हथियार बना लेगी! इन पर वार करने के लिए!
वैसा ही हुआ-
और मशीनरी तेजी से बढ़ने के कारण क्रुश्लर का शरीर, धातु से ढकने भी लगा-
और दबने भी लगा-
आऽऽऽक! ओऽऽऽ मेरी छाती...दब रही...है...मुझे...सांस नहीं...आ रही...है...आऽऽऽ
आक!
क्रुश्लर की गर्दन एक तरफ लुढ़क गई-

ओह! जीव-धातु अपने-आप तेजी से घट रही है! ऐसा तो तभी होता है जब इसको पहनने वाला मर चुका हो! यानी क्रूरलर मर चुका है! नागराज और ध्रुव को मारने का मेरा ये प्लान भी खत्म हो गया! अब मैं और खतरा मोल नहीं लूंगा!
1945 से सम्पर्क तोड़ दूंगा इस मशीन का! और उन दोनों के वापस आने के रास्ते को ही बंद कर दूंगा!
1945 में
हालांकि तुमने मेरे जनरल को मारा है, लेकिन फिर भी मैं तुम्हारी तारीफ करूंगा!
क्योंकि तुमने देश सेवा के साथ-साथ मेरी जान भी बचाई है! अब हिन्दुस्तान को आजादी मिलकर रहेगी!
धन्यवाद, योर एक्सेलेन्सी!
अब हमको जाना है!
हमारे पास रुकने का वक्त नहीं है!
लेकिन हम वापस जाएंगे कैसे नागराज? प्रकाश पुंज खत्म हो चुका है! यानी स्काडा ने सारे संपर्क तोड़ लिए हैं!
हमको वापस तो जाना ही होगा ध्रुव! हम इस समय काल के नहीं हैं! कोई तरीका सोचो! सोचो!
सोच लिया!
क्रूरलर के शरीर पर की जीव धातु अपने-आप आकार ले रही है ध्रुव! एक नया आकार!
य... यह तो किसी मशीन बन रही है! पर इसको बना कौन रहा है? कैसे बन रही है ये अपने आप?
इसको मैं बना रहा हूं! जब मैंने स्काडा का दिमाग पढ़कर यहां आने के लिए मशीन के कंट्रोल सेट किए थे!
तभी उसके दिमाग से मशीन बनाने की विधि भी पढ़ ली थी!

सन् 2001-
आहा! सारे इच्छाधारी नाग सुप्तावस्था में हैं! नागराज और वह संपोला भूतकाल में हैं, और उनके वापस आने का रास्ता बंद हो चुका है!
निम मशीन का संपर्क मैंने भूतकाल से काट दिया है!
कौन? ओ... तुम तीनों! असंभव! ये नहीं हो सकता! नहीं हो सकता!
ये हो गया है, स्काडा!
और अब तुम्हारी खैर नहीं है!
औषधि बनाने का वक्त नहीं है!... और मुझको फिर से वही मर्मांतक एलर्जी हो रही है!
अब मुझे अपने उन कड़ावासियों को बुलाने के लिए सिग्नल भेज देना चाहिए, जिनकी मदद से हम पृथ्वी को एक दूसरा कड़ा ग्रह बनाएंगे! कुछ वैसे ही जैसे अंग्रेजों ने हिन्दुस्तान पर कब्जा किया था!
पर ये न भूलो कि आखिरकार उनको भी भागना पड़ा था!
मैं मरूंगा नहीं! मैं मरूंगा नहीं, नागराज!
अपने साथियों को बुलाने का संदेश भेजे बगैर मैं मर नहीं सकता!
मैं यहां से भी भाग जाऊंगा! फिर अपने साथियों के साथ वापस आकर तुमको नष्ट करूंगा!
ये फिर से रंगीन धब्बों में बदलकर भाग रहा है!
इसको रोकना होगा!
कैसे रोकूं नागराज? धब्बे पर तो मेरे सारे वार बेकार जा रहे हैं! ये अरिंदमन या स्काडा के रूप में होता तो मैं कुछ सोचता! पर धब्बों को भागने से कैसे रोकूं?
समझ गया! ध्रुव की मदद करूंगा मैं!

'सम्राट' के मानसिक इशारे पर निम मशीन के कंट्रोल फिर से अपने-आप सेट होने लगे-

निम मशीन फिर से सक्रिय हो रही है नागराज! कैसे, यह तो मैं नहीं जानता! लेकिन इतना आभास तो मुझे जरूर हो रहा है कि यह हमारे फायदे के लिए है! स्काडा को इस प्रकाश पुंज में धकेलना होगा हमें!

धब्बों को तो हम छू भी नहीं पा रहे हैं! फिर हम इसको प्रकाश पुंज की तरफ धकेलेंगे कैसे?

यह धब्बों में तुम से हो रही एनर्जी के कारण परिवर्तित हो गया है! तुम तुरन्त इच्छाधारी कणों में बदलकर गायब हो जाओ!

नागराज के इच्छाधारी कणों में बदलते ही स्काडा की एनर्जी भी एकाएक समाप्त हो गई-

वह अपने ठोस स्वरूप में आ गया-

और उसी पल- ध्रुव की किक ने उसको प्रकाश पुंज में धकेल दिया-

अब ये कहां जाकर रुकेगा, ध्रुव?

पता नहीं नागराज अब ये क्या बनेगा, और बनकर कहां पहुंचेगा!

लेकिन प्रकाश पुंज की रोशनी खत्म होते ही-

अरिदमन!

हां! मुझे देखकर तुम इतना चकित क्यों हो रहे हो नागराज? हम तो एक दूसरे को सालों से जानते हैं!

ओह! मशीन ने इसको फिर से अरिदमन बना दिया है!

और यह भूल चुका है कि यह कभी स्काडा भी था!

इसकी एनर्जी भी समाप्त हो गई है, जैसे बाबीराज बनकर तुम्हारी खाल में से शल्क गायब हो गए थे। ये चमत्कार पर चमत्कार कौन कर रहा है?

और फिर-
कमाल है मम्मी! आप लोग एक छोटे से बच्चे का ख्याल नहीं रख सकतीं।
कौन महानगर पहुंच गया था? कौन से बच्चे की बात कर रहा है तू?
पता है! ये महानगर पहुंच गया था!
गोलू की! जिसे मैं महानगर से लेकर आ रहा हूं!
गोलू!-गोलू तो मेरी गोद में है!
फिर मेरी गोद में क्या है? धोबी की गठरी?
तू खुद ही देख ले!
ये... ये तो सचमुच कपड़ों की गठरी है! ये कैसे हो सकता है? मैं तो बच्चे को लेकर आया था!
बच्चा जब यहां से कहीं गया ही नहीं तो तू उसे लेकर कहां से आएगा?
जिन्होंने मेरा इतना ख्याल रखा, भला उन पर मैं मुसीबत कैसे आने दे सकता हूं!
फिर नागद्वीप में-
तुमने अपने तीव्र सम्मोहन का प्रयोग करके हमारे चेतन मस्तिष्कों को फिर से जगाया है, नागराज!
वर्ना हम तो हमेशा सुप्तावस्था में रह जाते!
1945 में-
आप... आप हमको आजादी देने की बात कर रहे हैं मिस्टर वायसराय? यह चमत्कार कैसे?
इरादा तो हमारा पहले से ही था बापू! लेकिन दो हिन्दुस्तानियों ने उसको और पक्का बना दिया है!
किन हिन्दुस्तानियों ने?
लम्बी कहानी है बापू! मैं सुना नहीं पाऊंगा!...
...और आप यकीन नहीं कर पाएंगे!
आजादी की बात करते हैं।
समाप्त